

लेखित वि. (तत्.) 1. लिखा हुआ 2. लिखवाया हुआ।

लेखी वि. (तत्.) लिखने वाला स्त्री. (तद्.) खाते में लिखी जाने वाली बात जैसे- नाम, राशि आदि।
entry

लेखे अव्य. (देश.) 1. समझ में 2. (के) लिए पुं. (तद्.) लेखा का बहुवचन।

लेख्य वि. (तत्.) लिखने या लिखे जाने योग्य।

लेजम पुं. (फा.) लकड़ी, लोहे की जंजीर, कटोरियों से बना व्यायाम और खेल का एक साधन, तत्संबंधी व्यायाम।

लेजरंग पुं. (देश.) पन्ना नामक रत्न से निकलने वाली आभा जो उसकी उत्तमता की प्रतीक है।

लेजुर स्त्री. (देश.) रस्सी।

लेजुरा पुं. (देश.) धान की एक किस्म जो अगहन में पकती है।

लेजुरी दे. लेजुर।

लेट पुं. (देश.) फर्श बनाने में प्रयुक्त कंकड़, सीमेंट, रेत आदि का एक प्रकार का मिश्रण वि. (अं.) विलंब से आया हुआ late

लेटना अ.क्रि. (तद्.) पीठ के बल सोने की मुद्रा में पैर पसारना, विश्राम करना।

लेटपेट स्त्री. (देश.) चाय का एक प्रकार।

लेटर पुं. (अं.) 1. अक्षर 2. पत्र।

लेटाना स.क्रि. (तद्.) किसी व्यक्ति या वस्तु को लेटने में प्रवृत्त करना, लिटाना।

लेड पुं. (अं.) 1. सीसा नामक धातु 2. पुराने समय की छपाई में फर्मा दृढ़ करने के लिए प्रयुक्त लकड़ी की पट्टियाँ।

लेथो पुं. (अं.) प्रतिकृति से छपाई, लीथो।

लेद पुं. (देश.) बुंदेलखंड में माघ-फाल्गुन में गाए जाने वाले गीतों का एक प्रकार।

लेदार पुं. (देश.) एक प्रकार का छोटा पक्षी।

लेदी स्त्री. (देश.) 1. एक छोटी चिड़िया जो प्रायः जलाशयों के किनारे रहती है 2. घास का पूला

जो खेत जोतते समय कूँड़ को चौड़ा करने के लिए हल के फाल में बाँध दिया जाता है।

लेनदार पुं. (तद्.+फा.) लेने का हकदार, धन पाने का अधिकारी व्यक्ति।

लेन-देन पुं. (तद्.) 1. लेना और देना, आदान-प्रदान 2. उधार देने का व्यवसाय 3. सामाजिक व्यवहार, सरोकार।

लेना स.क्रि. (तद्.) 1. दी जा रही वस्तु को प्राप्त करना जैसे- मैंने राम से एक पुस्तक ली 2. खरीदना या हस्तगत करना जैसे- वह कपड़े लेने गया है 3. धारण करना जैसे- छाता ले लो, बच्चे को गोद में ले लो 4. अधिकृत करना जैसे- अंग्रेजों ने पंजाब भी ले लिया था 5. उधार माँगना जैसे- पड़ोसी से दूध ले लो 6. सेवन करना जैसे- दवा ली? 7. प्रतिज्ञा, उत्तरदायित्व आदि वहन करना जैसे- कसम लेना, व्रत लेना आदि 8. विचारों को ग्रहण करना जैसे- सलाह लेना 9. एकत्र करना जैसे- चंदा लेना 10. अगवानी करना जैसे- प्रधानमंत्री जी को लेने कई मंत्री आए थे 11. भक्ति करना जैसे- ईश्वर का नाम लेना मुहा. ले डूबना- अपने साथ दूसरे को भी हानि में शामिल करना; ले देकर- अंत में; ले-दे करना- झगड़ा करना; लेना एक न देना दो (लोकोक्ति)- कोई संबंध न होना; लेने के देने पड़ना- लाभ के स्थान पर हानि होना; आड़े हाथों लेना- निरुत्तर करना टि. 1. लेना क्रिया 'रंजक क्रिया' के रूप में भी प्रयोग की जाती है-(कार्य पूरा होने के अर्थ में) जैसे- ले लिया, कर लिया, लिख लिया आदि, 2. लेने के साथ अन्य क्रिया भी विभिन्न अर्थ प्रकट करती है जैसे- ले उड़ना, ले बैठना, ले मरना आदि।

लेना-देना स.क्रि. (तद्.) 1. लेने और देने की क्रिया 2. सरोकार।

लेनिहार वि. (देश.) लेनदार।

लेप पुं. (तत्.) 1. कोई गीला चिपकने वाला पदार्थ जो लीपने या पोतने के लिए प्रयुक्त हो 2. पोतने या लगाने से बनी परत 3. उबटन या